सामाजिक विज्ञान

(नागरिक शास्त्र)

अध्याय-4: राजनीतिक दल

राजनीतिक दल

लोगों का ऐसा संगठित समूह जो चुनाव लड़ने और सरकार में राजनीतिक सत्ता हासिल करने के उद्देश्य से काम करता है।

एक राजनीतिक पार्टी लोगों को इस बात का भरोसा दिलाती है उसकी नीतियाँ अन्य पार्टियों से बेहतर हैं । वह चुनाव जीतने की कोशिश करती है ताकि अपनी नीतियों को लागू कर सके।

राजनीतिक दल के घटक

- नेता
- सक्रिय सदस्य
- अनुयायी या समर्थक

राजनीतिक दल का कार्य

- चुनाव लड़ना
- नीतियों और कार्यक्रमों को मतदाता के सामने रखना
- कानून निर्माण
- सरकार बनाना और सरकार चलाना
- विरोधी पक्ष की भूमिका निभाना
- मुद्दों को उठाना तथा आंदोलन की शुरूआत
- कल्याण कार्यक्रमों को लोगों तक पहुँचाना
- जनमत का निर्माण

1.चुनाव लड़ना :- राजनीतिक पार्टी चुनाव लड़ती है।एक पार्टी अलग अलग निर्वाचन क्षेत्रों के लिये अपने उम्मीदवार को चुनावी मैदान में उतारती है।

2. नीति बनाना :- हर राजनीतिक पार्टी जनहित को लक्ष्य में रखते हुए अपनी नीति बनाती है । वह अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को जनता के सामने प्रस्तुत करती है । इससे जनता को इस बात में मदद मिलती है कि वह किसी एक पार्टी का चुनाव कर सके।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

3.कानून बनाना :- हम जानते हैं कि विधायिका में समुचित बहस के बाद ही कोई कानून बनता है । विधायिका के ज्यादातर सदस्य राजनीतिक पार्टियों के सदस्य होते हैं इसलिए किसी भी कानून के बनने की प्रक्रिया में राजनीतिक पार्टियों की प्रत्यक्ष भूमिका होती है।

4.सरकार बनाना :- जब कोई राजनीतिक पार्टी सबसे ज्यादा सीटों पर चुनाव जीतती है तो वह सरकार बनाती है । सत्ताधारी पार्टी के लोग ही कार्यपालिका का गठन करते हैं । सरकार चलाने के लिये विभिन्न राजनेताओं को अलग अलग मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी जाती है।

5.जनमत का निर्माण :- राजनीतिक पार्टी का एक महत्वपूर्ण काम होता है जनमत का निर्माण करना । इसके लिये वे विधायिका और मीडिया में ज्वलंत मुद्दों को उठाती हैं और उन्हें हवा देती हैं । पार्टी के कार्यकर्ता पूरे देश में फैलकर अपने मुद्दों से जनता को अवगत कराते हैं।

6. पक्ष या विपक्ष की भूमिका :- जो पार्टी सरकार बनाती है वो पक्ष और जो पार्टी सरकार नहीं बना पाती है उसे विपक्ष की भूमिका निभानी पड़ती है।

लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका

- सरकार की नीतियों पर नज़र रखना।
- सरकार की गलत नीतियों का विरोध करना।
- सराकर चलाने में सकरात्मक भूमिका निभाना

राजनीतिक दल :-

Fukey Education

लोकतंत्र में नागरिकों का कोई भी समूह राजनीतिक दल बना सकता है।

○ भारत में चुनाव आयोग में 750 पंजीकृत दल है।

○ किसी देश में तीन तरह की पार्टी हो सकती है

• **एकदलीय शासन प्रणाली :-** एक ही दल को सरकार को बनाने और चलाने की अनुमति होती है।

चीन और क्यूबा

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

• **दो दलीय शासन प्रणाली :-** सत्ता आमतौर पर दो प्रमुख दलों के बीच हस्तान्तरित होती रहती है।

अमरीका और ब्रिटेन

• **बहुदलीय शासन प्रणाली :-** अनेक दल सत्ता पाने के लिए कोशिश करते हैं , सत्ता में आने के लिए ये दल या तो अपने दम पर या दूसरों के साथ गठबंधन करके सत्ता प्राप्त करते हैं ?

राजनीतिक दल की जरूरत क्यों?

- आधुनिक लोकतंत्र राजनीतिक दल के बिना नहीं चल सकता।
- अगर दल न हो तो सारे उम्मीदवार स्वतंत्र या निर्दलीय होंगे तब इनमें से कोई बड़े नीतिगत बदलाव के बारे में लोगों से चुनावी वायदे नहीं पर पाएगा।
- सरकार तो बन जाएगी पर उसकी उपयोगिता संदिग्ध होगी।
- प्रतिनिधित्व पर आधारित लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए आवश्यक।
- देश के प्रति उत्तरदायी सरकार के लिए आवश्यक।
- सरकार की नीतियों पर अंकुश लगाने के लिए।
- सरकार का समर्थन करने एवं उस पर अंकुश रखने हेतु।
- जब समाज बड़े और जटिल हो जाते हैं तब उन्हें विभिन्न मुद्दों पर अलग – अलग विचारों को समेटने और सरकार की नज़र में लाने के लिए राजनीतिक दलों की जरूरत होती है।

दलीय व्यवस्थाएँ

Fukey Education

एक दलीय व्यवस्था :- सिर्फ एक ही दल को सरकार बनाने और चलाने की अनुमति होती है

उदाहरण :- चीन

द्विदलीय व्यवस्था :- सत्ता आमतौर पर दो मुख्य दलों के बीच बदलती रहती है। उदाहरण :- यू.एस.ए., यू.के

बहुदलीय व्यवस्था :- जब कई दलों में राजनीतिक सत्ता पाने के लिए होड़ लगी रहती है तथा दो से अधिक पार्टी के सत्ता हासिल करने की संभावना रहती है उदाहरण :- भारत

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

भारत में भी बहुदलीय गठबंधन व्यवस्था है।

- राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबन्धन या राजग National Democratic Alliance or NDA) भारत में एक राजनीतिक गठबन्धन है। इसका नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी करती है। इसके गठन के समय इसके 13 सदस्य थे।
- संयुक्त प्रगतिशील गठबन्धन या संप्रग (United Progressive Alliance or UPA) भारत में एक राजनीतिक गठबन्धन है। इसका नेतृत्व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस करती है।

निर्वाचन आयोग :-

देश की हर पार्टी को निर्वाचन आयोग में अपना पंजीकरण कराना पड़ता है।

• इन्हें चुनाव चिह्न दिया जाता है।

• आयोग पार्टी को अलग चुनाव चिन्ह देता है जिसे मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल कहा जाता है।

राष्ट्रीय पार्टी :-

जब कोई पार्टी चार राज्यों के लोकसभा चुनाव या विधानसभा चुनाव में कुल वैध मतों का कम से कम छह प्रतिशत मत हासिल करती है और लोकसभा चुनाव में कम से कम चार सीट पर जीत दर्ज करती है , तो उन्हें राष्ट्रीय पार्टी के रूप में मान्यता मिल जाती है।

भारत में 2020 तक भारत में राजनीतिक दलों को तीन समूहों :-

Fukey Education

राष्ट्रीय दल (संख्या 8) ,क्षेत्रीय दल (संख्या 53) और गैर मान्यता प्राप्त दलों (संख्या 2044) के रूप में बाँटा गया है |

सभी राजनीतिक दल जो स्थानीय स्तर, राज्य स्तर या राष्ट्रीय स्तरपर चुनाव लड़ने के इच्छुक होते हैं उनका भारतीय निर्वाचन आयोग (EIC) में पंजीकृत होनाआवश्यक है.

क्र.सं.	नाम	गठन
1	भारतीय जनता पार्टी (BJP)	1980
2	बहुजन समाज पार्टी (BSP)	1984

3	मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (CPM)	1964
4	भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (CPI)	1925
5	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC)	1885
6	राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP)	1999
7	तृणमूल कांग्रेस पार्टी (TMC)	1998

गठबंधन या मोर्चा

किसी बहुदलीय व्यवस्था में जब कई दल चुनाव लड़ने तथा जीतने के उद्देशय से साथ आते है तो इस संगठन को गठबंधन या मोर्चा कहते है।

गठबंधन की सरकार

जब चुनावों में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता तो या दो से अधिक राजनीतिक दल विकास के साझा कार्यक्रम के साथ मिलकर सरकार चलाते हैं। इसे गठबंधन की सरकार कहते हैं।

भारतीय लोकतंत्र में गठबंधन की सरकारों की भूमिका :-

भारत में 1989 से लेकर 2014 तक केन्द्र में गठबंधन की सरकार रही है।

- गठबंधन की सरकारों के कारण राष्ट्रीय दल क्षेत्रीय दलों की अनदेखी नहीं कर सकते हैं।
- केन्द्रीय सरकारों को सभी क्षेत्रों के विकास पर ध्यान देना होगा।

कितने राजनीतिक दल?

- कोई देश यह तय नहीं कर सकता।
- यह एक लंबे अंतराल में विकसित होता है।
- निर्भर करता है इस देश के समाज की प्रकृति तथा अन्य सामाजिक और धार्मिक विभाजन।
- निर्भर करता है उस देश का राजनीतिक इतिहास तथा चुनाव प्रणाली पर।
- इसे आसानी से बदला नहीं जा सकता।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

क्षेत्रीय दल

जब कोई दल राज्य विधानसभा के चुनाव में पड़े कुल मतों का 6 फीसदी या उससे अधिक हासिल करती है और कम से कम दो सीटों पर जीत हासिल करती है तो उसे राज्य के राजनीतिक दल के रूप में मान्यता मिलती है।

राष्ट्रीय दल

अगर कोई दल लोकसभा चुनाव में पड़े कुल वोट का अथवा चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में पड़े कुल वोटों का 6 प्रतिशत हासिल करता है और लोकसभा चुनाव में कम से कम चार सीटों पर जीत दर्ज करता है तो उसे राष्ट्रीय दल की मान्यता दी जाती है।

राष्ट्रीय दल तथा क्षेत्रीय दल में अंतर

राष्ट्रीय राजनीतिक दल	क्षेत्रीय राजनीतिक दल
देश की सभी संघीय ईकाईयों या अधिकांश ईकाईयों में मौजूद रहती है।	ये दल किसी क्षेत्र विशेष में तथा संघ की कुछ इकाईयों में ही विद्यमान रहते है।
लोकसभा चुनाव में पड़े कुल वोट का अथवा चार राज्यों के विधान सभा में पड़े कुल वोट का कम से कम 6 प्रतिशत हांसिल करें।	राज्य विधान सभा में पड़े कुल मतों का 6 प्रतिशत या उससे अधिक मत हासिल करे।
लोकसभा में कम से कम चार सीटों पर जीत दर्ज करें।	किसी राज्य की विधानसभा में कम से कम 2 सीटों पर जीत दर्ज करें।

भारत मे आजादी के बाद तक के दल :-

- आजादी के बाद के शुरुआती दिनों से लेकर 1977 भारत में केंद्र में केवल कांग्रेस पार्टी की सरकार बनती थी।

- 1977 से 1980 के बीच जनता पार्टी की सरकार बनी।
- उसके बाद 1980 से 1989 तक कांग्रेस की सरकार बनी।
- फिर दो साल के अंतराल के बाद फिर से 1991 से 1996 तक कांग्रेस की सरकार रही।
- फिर अगले 8 वर्षों तक गठबंधन की सरकारों का दौर चला।
- 2004 से लेकर 2014 तक कांग्रेस पार्टी की ऐसी सरकार रही जिसमें अन्य पार्टियों का गठबंधन था।
- 2014 में 18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद किसी पार्टी को पूर्ण बहुमत मिला और वह अपने दम पर सरकार बना पाई।

भारत मे दल

- 2017 में देश में सात दल राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त थे।
- नवीनतम जानकारी के अनुसार 2019 में देश में सात दल राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त थे।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस :-

- इसे कांग्रेस पार्टी के नाम से भी जाना जाता है। यह एक बहुत पुरानी पार्टी है जिसकी स्थापना 1885 में हुई थी।
- भारत की आजादी में इस पार्टी की मुख्य भूमिका रही है।
- भारत की आजादी के बाद के कई दशकों तक कांग्रेस पार्टी ने भारतीय राजनीति में प्रमुख भूमिका निभाई है।
- आजादी के बाद के सत्तर वर्षों में पचास से अधिक वर्षों तक इसी पार्टी की सरकार रही है।

भारतीय जनता पार्टी :-

- इस पार्टी की स्थापना 1980 में हुई थी।
- इस पार्टी को भारतीय जन संघ के पुनर्जन्म के रूप में माना जा सकता है।
- यह पार्टी पहली बार 1998 में सत्ता में आई और 2004 तक शासन किया।
- उसके बाद यह पार्टी 2014 में सत्ता में आई है।

बहुजन समाज पार्टी :-

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

- इस पार्टी की स्थापना कांसी राम के नेतृत्व में 1984 में हुई थी।
- यह पार्टी बहुजन समाज के लिये सत्ता चाहती है।
- बहुजन समाज में दलित, आदिवासी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदाय के लोग आते हैं।
- इस पार्टी की पकड उत्तर प्रदेश में बहुत अच्छी है और यह उत्तर प्रदेश में दो बार सरकार भी बना चुकी है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी – मार्क्सवादी :-

- इस पार्टी की स्थापना 1964 में हुई थी।
- इस पार्टी की मुख्य विचारधारा मार्क्स और लेनिन के सिद्धांतों पर आधारित है।
- यह पार्टी समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता का समर्थन करती है।
- इस पार्टी को पश्चिम बंगाल, केरल और त्रिपुरा में अच्छा समर्थन प्राप्त है ; खासकर से गरीबों, मिल मजदूरों, किसानों, कृषक श्रमिकों और बुद्धिजीवियों के बीच।
- लेकिन हाल के कुछ वर्षों में इस पार्टी की लोकप्रियता में तेजी से गिरावट आई है और पश्चिम बंगाल की सत्ता इसके हाथ से निकल गई है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी :-

- इस पार्टी की स्थापना 1925 में हुई थी।
- इसकी नीतियाँ सीपीआई (एम) से मिलती जुलती हैं।
- 1964 में पार्टी के विभाजन के बाद यह कमजोर हो गई।
- इस पार्टी को केरल, पश्चिम बंगाल, पंजाब, आंध्र प्रदेश और तामिलनाडु में ठीक ठाक समर्थन प्राप्त है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी :-

- कांग्रेस पार्टी में फूट के परिणामस्वरूप 1999 में इस पार्टी का जन्म हुआ था।
- यह पार्टी लोकतंत्र, गांधीवाद, धर्मनिरपेक्षता, समानता, सामाजिक न्याय और संघीय ढाँचे की वकालत करती है।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

- यह महाराष्ट्र में काफी शक्तिशाली है और इसको मेघालय, मणिपुर और असम में भी समर्थन प्राप्त है।

राजनीति के दलों के समक्ष चुनौतियाँ

- वंशवाद की चुनौती
- पारदर्शिता का अभाव
- आंतरिक लोकतंत्र का अभाव
- विकल्पहीनिता
- आपराधिक तत्वों की धुसपैठ

राजनीतिक दलों को कैसे सुधारा जा सकता है

हाल में उठाए गए कदम :-

- दल बदल विरोधी कानून।
- शपथपत्र के माध्यम से अपनी संपति तथा अपने खिलाफ चल रहे आपराधिक मामलों की जानकारी अनिवार्य।
- सांगठनिक चुनाव कराना तथा आयकर रिटर्न भरता जरूरी।

भविष्य के लिए सुझाव :-

- सदस्यों का रिकार्ड रखना अनिवार्य।
- महिलाओं के लिए रिजर्व सीट।
- चुनाव का खर्च सरकार उठाए।
- लोगों की भागीदारी बढाकर।

दल बदल

किसी दल विशेष से विधायिका के लिए निर्वाति होने के बाद प्रतिनिधि का इस दल को छोड़कर किसी अन्य दल में चले जाना।

Fukey Future's Key
Fukey Education

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

शपथपत्र

किसी अधिकारी को सौंपा गया ऐसा दस्तावेज जिसमें कोई व्यक्ति अपने बारे में निजी सूचनाएँ देता है तथा उसके साथ होने की शपथ खाता है।

राजनीतिक पक्षपात

पार्टी समाज के किसी एक हिस्से से संबंधित होता है इसलिए उसका नजरिया समाज के उस हिस्से या वर्ग की तरफ झुका होता है।

Fukey Education

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 87)

प्रश्न 1 लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की विभिन्न भूमिकाओं की चर्चा करें।

उत्तर – राजनीतिक दलों की निम्न भूमिका होती है:

- चुनाव लड़ना।
- सरकार बनाना और सरकार चलाना।
- चुनाव हारने वाली पार्टी विपक्ष की भूमिका निभाती है।
- राजनीतिक दल लोगों को सरकारी मशीनरी से जोड़ते हैं और लोगों तक सरकार की समाज कल्याण योजनाएँ पहुँचाते हैं।
- जनता की धारणा को बनाते हैं, नियम और कानून बनाते हैं।

प्रश्न 2 राजनीतिक दलों के सामने क्या चुनौतियाँ हैं?

उत्तर – लोकतंत्र में राजनीतिक दल महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं किंतु उन्हें कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो निम्नलिखित हैं-

- **आंतरिक लोकतंत्र का अभाव:** पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव पाया जाता है। पार्टियों के पास न सदस्यों की खुली सूची होती है, न नियमित रूप से सांगठनिक बैठकें होती है। इनके आंतरिक चुनाव भी नहीं होते। कार्यकर्ताओं से वे सूचनाओं का साँझा भी नहीं करते। सामान्य कार्यकर्ता अनजान ही रहता है कि पार्टियों के अंदर क्या चल रहा है। परिणामस्वरूप पार्टी के नाम पर सारे फैसले लेने का अधिकार उस पार्टी के नेता हथिया लेते हैं। चूंकि कुछ ही नेताओं के पास असली ताकत होती है। इसलिए पार्टी के सिद्धांतों और नीतियों से निष्ठा की जगह नेता से निष्ठा ही ज्यादा महत्त्वपूर्ण बन जाती है।
- **वंशवाद की चुनौती:** दलों के जो नेता होते हैं वे अनुचित लाभ लेते हुए अपने नजदीकी लोगों और यहाँ तक कि अपने ही परिवार के लोगों को आगे बढ़ाते हैं। अनेक दलों में शीर्ष पद पर हमेशा एक ही परिवार के लोग आते हैं। यह दल के अन्य सदस्यों के साथ अन्याय

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

है। यह बात लोकतंत्र के लिए भी अच्छी नहीं है क्योंकि इससे अनुभवहीन और बिना जनाधार वाले लोग ताकत वाले पदों पर पहुँच जाते हैं।

- **धन और अपराधी तत्वों की घुसपैठ:** सभी राजनीतिक दल चुनाव जीतना चाहते हैं। इसके लिए वे हर तरीका अपना सकते हैं। वे ऐसे उम्मीदवार खड़े करते हैं जिनके पास काफी पैसा हो या जो पैसे जुटा सकें। कई बार पार्टियाँ चुनाव जीत सकने वाले अपराधियों का समर्थन करती है या उनकी मदद लेती है। जिससे राजनीति का अपराधीकरण हो गया है।
- **विकल्पहीनता की स्थिति:** सार्थक विकल्प का अर्थ है विभिन्न पार्टियों की नीतियों और कार्यक्रमों में अंतर हो। कुछ वर्षों से दलों के बीच वैचारिक अंतर कम होता गया है। यह प्रवृत्ति दुनियाभर में देखने को मिलती है। भारत की सभी बड़ी पार्टियों के बीच आर्थिक मसलों पर बड़ा कम अंतर रह गया है। जो लोग इससे अलग नीतियाँ बनाना चाहते हैं उनके पास कोई विकल्प उपलब्ध नहीं होता।

प्रश्न 3 राजनीतिक दल अपना कामकाज बेहतर ढंग से करें, इसके लिए उन्हें मजबूत बनाने के कुछ सुझाव दें।

उत्तर – राजनीतिक दलों को मजबूत करने के कुछ सुधार निम्न हैं:

- राजनीतिक दलों के आंतरिक कामकाज को नियमित करने के लिए एक कानून बनाया जाना चाहिए।
- राजनीतिक दलों को महिला उम्मीदवारों को न्यूनतम संख्या लगभग 1/3rd टिकट देना अनिवार्य होना करना चाहिए।
- चुनावों का खर्च राज्य वित्त पोषित होना चाहिए। सरकार को चुनाव खर्च के लिए राजनीतिक दलों को पैसा देना चाहिए।

प्रश्न 4 राजनीतिक दल का क्या अर्थ होता है?

उत्तर – देश की राजनीतिक व्यवस्था से संबंधित किसी निश्चित सामान्य सिद्धांत तथा उददेश्य में विश्वास रखने वाले कुछ व्यक्तियों द्वारा बनाए गए संगठन को राजनीतिक दल कहते है। राजनीतिक दलो का मुख्य उददेश्य होता है राजनीतिक सत्ता प्राप्त करना। जो राजनीतिक दल सरकार चलाता है उसे सत्ता पक्ष कहते है तथा जो दल विपक्ष में बैठते है सत्ता पक्ष की आलोचना करते है तथा

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

सरकार में हिस्सा नहीं लेते उन्हे विपक्षी दल कहते है। एडमंड बर्क के अनुसार - ''राजनीतिक दल कुछ लोगो का एक ऐसा समूह है जो कुछ सिद्धांतो पर एकमत होकर अपने संयुक्त प्रयासो द्वारा जनहितों को आगे बढाने का प्रयास करता है।'' ''राजनीतिक दल से हमारा तात्पर्य नागरिको के उस न्यूनाधिक संगठित समुदाय से होता है जो एक ही साथ एक राजनीतिक इकाई के रूप में कार्य करते है।'' जे. ए. शुपीटर के अनुसार - ''राजनीतिक दल एक ऐसा गुट या समूह है जिसमें सदस्य सत्ता प्राप्त करने के लिए संघर्ष व होड में लगे हुए है।''

प्रश्न 5 किसी भी राजनीतिक दल के क्या गुण होते हैं?

उत्तर –

- राजनीतिक दल समाज के सामूहिक हितों को ध्यान में रखकर कुछ नीतियाँ और कार्यक्रम बनाते हैं।
- दल लोगों का समर्थन पाकर चुनाव जीतने के बाद उन नीतियों को लागू करने का प्रयास करते हैं।
- दल किसी समाज के बुनियादी राजनीतिक विभाजन को भी दर्शाते हैं।
- दल समाज के किसी एक हिस्से से संबंधित होता है इसलिए इसका नजरिया समाज के उस वर्ग विशेष की तरफ झुका होता है।
- किसी दल की पहचान उसकी नीतियों और उसके सामाजिक आधार से तय होती है।
- राजनीतिक दल के तीन मुख्य हिस्से हैं- नेता, सक्रिय सदस्य, अनुयायी या समर्थक।

Fukey Education

प्रश्न 6 चुनाव लड़ने और सरकार में सत्ता सँभालने के लिए एकजुट हुए लोगों के समूह को ______ कहते हैं।

उत्तर – चुनाव लड़ने और सरकार में सत्ता सँभालने के लिए एकजुट हुए लोगों के समूह को राजनीतिक दल कहते हैं।

प्रश्न 7 पहली सूची [संगठन/ दल] और दूसरी सूची (गठबंधन/ मोर्चा) के नामों का मिलान करें और नीचे दिए गए कूट नामों के आधार पर सही उत्तर ढूंढे:

	सूची I		सूची II

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

1	इंडियन नेशनल काँग्रेस	(क)	राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन
2	भारतीय जनता पार्टी	(ख)	क्षेत्रीय दल
3	कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ इंडिया (मार्क्सिस्ट)	(ग)	संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन
4	तेलुगु देशम पार्टी	(घ)	वाम मोर्चा

	1	2	3	4
(क)	ग	क	ख	घ
(ख)	ग	घ	क	ख
(ग)	ग	क	घ	ख
(घ)	घ	ग	क	ख

उत्तर –

	1	2	3	4
(स)	ग	क	घ	ख

प्रश्न 8 इनमें से कौन बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक हैं?

a) कांशीराम

b) साहू महाराज

c) बी. आर. अंबेडकर

d) ज्योतिबा फूले

उत्तर – a) कांशीराम

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 88)

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

प्रश्न 9 भारतीय जनता पार्टी का मुख्य प्रेरक सिद्धांत क्या है?

a) बहुजन समाज
b) क्रांतिकारी लोकतंत्र
c) समग्र मानवतावाद
d) आधुनिकता

उत्तर – c) समग्र मानवतावाद

प्रश्न 10 पार्टियों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर गौर करें-

(अ) राजनीतिक दलों पर लोगों का ज्यादा भरोसा नहीं है।

(ब) दलों में अक्सर बड़े नेताओं के घोटालों की गूंज सुनाई देती है।

(स) सरकार चलाने के लिए पार्टियों का होना जरूरी नहीं।

इन कथनों में से कौन सही है?

(क) अ, ब और स।

(ख) अ और ब।

(ग) ब और स।

(घ) अ और स।

उत्तर – ख) अ और ब सही है।

प्रश्न 11 निम्नलिखित उद्धरण को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों का जवाब दें:

मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं। गरीबों के आर्थिक और सामाजिक विकास के प्रयासों के लिए उन्हें अनेक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। उन्हें और उनके द्वारा स्थापित ग्रामीण बैंक को संयुक्त रूप से वर्ष 2006 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। फरवरी 2007 में उन्होंने एक राजनीतिक दल बनाने और संसदीय चुनाव लड़ने का फैसला किया। उनका उद्देश्य सही नेतृत्व को उभारना, अच्छा शासन देना और नए बांग्लादेश का निर्माण करना है। उन्हें लगता है कि पारंपरिक

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

दलों से अलग एक नए राजनीतिक दल से ही नई राजनीतिक संस्कृति पैदा हो सकती है। उनका दल निचले स्तर से लेकर ऊपर तक लोकतांत्रिक होगा।

नागरिक शक्ति नामक इस नये दल के गठन से बांग्लादेश में हलचल मच गई है। उनके फैसले को काफी लोगों ने पसंद किया तो अनेक को यह अच्छा नहीं लगा। एक सरकारी अधिकारी शाहेदुल इस्लाम ने कहा, "मुझे लगता है कि अब बांग्लादेश में अच्छे और बुरे के बीच चुनाव करना संभव हो गया है। अब एक अच्छी सरकार की उम्मीद की जा सकती है। यह सरकार न केवल भ्रष्टाचार से दूर रहेगी बल्कि भ्रष्टाचार और काले धन की समाप्ति को भी अपनी प्राथमिकता बनाएगी।"

पर दशकों से मुल्क की राजनीति में रुतबा रखने वाले पुराने दलों के नेताओं में संशय है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के एक बड़े नेता का कहना है, "नोबेल पुरस्कार जीतने पर क्या बहस हो सकती है पर राजनीति एकदम अलग चीज है। एकदम चुनौती भरी और अक्सर विवादास्पद।" कुछ अन्य लोगों का स्वर तो और कड़ा था। वे उनके राजनीति में आने पर सवाल उठाने लगे। एक राजनीतिक प्रेक्षक ने कहा, "देश से बाहर की ताकतें उन्हें राजनीति पर थोप रही हैं।"

- क्या आपको लगता है कि यूनुस ने नई राजनीतिक पार्टी बनाकर ठीक किया?
- क्या आप विभिन्न लोगों द्वारा जारी बयानों और अंदेशों से सहमत हैं? इस पार्टी को दूसरों से अलग काम करने के लिए खुद को किस तरह संगठित करना चाहिए? अगर आप इस राजनीतिक दल के संस्थापकों में एक होते तो इसके पक्ष में क्या दलील देते?

उत्तर – मोहम्मद यूनुस ने नई राजनीतिक पार्टी बनाकर सही काम किया। एक सरकारी अधिकारी के बयान से मैं सहमत हूँ। एक बड़े नेता के बयान से भी मैं सहमत हूँ लेकिन आंशिक रूप से। आज राजनीति इसलिए खराब हो गई है क्योंकि अच्छे लोग इससे दूर रहना चाहते हैं। मोहम्मद यूनुस ने राजनीति में जाने की हिम्मत दिखाई है। उन्हें साफ छवि वाले लोगों और बुद्धिजीवियों को अपने संगठन में लाने की कोशिश करनी चाहिए। जिस तरह से ग्रामीण बैंक के जरिये उन्होंने गरीबों तक बैंकिंग सेवा को पहुँचाया है उसी तरह उन्हें अच्छी राजनीति को लोगों तक पहुँचाने का पूरा हक है।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com